

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग  
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र  
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय  
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-५४

दिनांक- शुक्रवार, २२ जुलाई, २०२२



**विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन**

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.2 एवं 25.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 73 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.7 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.3 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.8 एवं दोपहर में 35.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 120.3 मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान  
(23-27 जुलाई, 2022)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 23-27 जुलाई, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान की अवधि में आसमान में मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। अगले दो से तीन दिनों तक उत्तर बिहार के जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा भी होने का अनुमान है। बेगुसराई, वैशाली, सारण, सिवान, मुजफ्फरपुर, तथा मधुबनी जिलों में थोड़ा अधिक वर्षा होने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 33-34 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23-26 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 12 से 18 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

**समसामयिक सुझाव**

- पिछले एक-दो दिनों में उतर बिहार में अच्छी वर्षा हुई है। मौसम पूर्वानुमान की अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई, धान की रोपाई प्राथमिकता के आधार पर करें। कदवा के समय 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाष के साथ 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट या 15 किलोग्राम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- पूर्वानुमान की अवधि में और वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई धान की रोपनी में प्राथमिकता दें। 30 जुलाई से पहले रोपनी संपन्न कर लें। रोपाई पूर्व खेतों की तैयारी के समय कदवा के दौरान मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाष तथा अगात किस्मों के लिए 25 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाष के साथ 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट या 15 किलोग्राम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के 2-3 दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (3 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (1.5 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या पेन्डीमिथेलीन (3 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) का 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।
- उचाँस जमीन में बरसाती सब्जियों जैसे-भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई अविलम्ब संपन्न करें। गरमा सब्जियों में नियमित रूप से कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- उचाँस जमीन में अरहर की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो फास्फोरस एवं 20 किलो पोटाष तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय-13, राजेन्द्र अरहर-1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुषंसित है। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। पक्ति से पक्ति की दूरी 60 से०मी० रखें। बीज दर 18 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों में गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च-3, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काषी अनमोल तथा संकर किस्में अर्का श्वेता, अर्का मेघना, अर्का हरिता, काषी सुर्ख, काषी अगेती, काषी तेज अनुषंसित है। बीज को गिराने से पूर्व थीरम 75 प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में 150-200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों में गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च-3, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काषी अनमोल तथा संकर किस्में अर्का श्वेता, अर्का मेघना, अर्का हरिता, काषी सुर्ख, काषी अगेती, काषी तेज अनुषंसित है। उन्नत किस्मों के लिए बीज दर 1 से 1.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा 200 से 300 ग्राम संकर किस्मों के लिए रखें। क्यारियों की चौड़ाई एक मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3-4 मीटर रखें। बीज को गिराने से पूर्व थायरम 75 प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- फलदार एवं वानिकी पौधों को लगाने का यह समय अनुकूल चल रहा है। किसान भाई अपने पसंद के अनुसार आम, लीची, अमरूद, नींबू, पपीता एवं केला की रोपनी कर सकते हैं।

आज का अधिकतम तापमान: 32.3 डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० गुलाब सिंह)  
तकनीकी पदाधिकारी

आज का न्यूनतम तापमान: 24.5 डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)  
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी